हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, मंगलवार, 22 जुलाई 2025

11 राजकीय स्कूल जौरासी में युवा संसद का आयोजन

12 फिर आश्वासन : नेशनल हाईवे 152-डी पर...

संपत्ति कर सर्वे पूरा, नगर निकाय देगा मालिकों को सम्पत्ति प्रमाण पत्र, खामियां दूर करवाने के लिए अभी समय, संपत्ति कर सर्वे की अंतिम सूची होगी प्रकाशित, सूची अवलोकन के लिए लगाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिला के शहरी क्षेत्र नारनौल, महेंद्रगढ़, अटेली मंडी, नांगल चौधरी व कनीना में रहने वाले मकान मालिक का नाम नगर निकाय के संपत्ति सर्वे में है या नहीं, यह देख लें। अगर नहीं है या फिर गलत जानकारी आपके मकान संबंधित एंट्री हो रही है तो उसे दुरूस्त करवा लें। इसके बाद नगर निकाय अंतिम सूची जारी करेगा, उसमें मालिकों को सम्पत्ति प्रमाण पत्र जारी होगा।

अंतिम सूची जारी होने के बाद खामियों को ठीक करने का समय नहीं मिलेगा। इस तरह की व्यवस्था के निर्देश नगर निकाय ने जारी किए है। मतलब जो शहरी क्षेत्र लाल डोरा आबादी देह में शामिल है। उसकी लिस्ट जारी की है। जिसकी एक सूची संबंधित नगर परिषद/नगर पालिकाओं की गृहकर/संपत्तिकर शाखा में और वहां के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई थी किंतु अब निदेशालय की हिदायतों अनुसार लाल डोरे में स्थित संपत्तियों के संपत्ति प्रमाण पत्र जारी करने से पूर्व अंतिम सूची प्रकाशित की जा रही है। जिसे कोई भी आमजन नगर परिषद/नगर पालिका कार्यालयों में किसी भी कार्य दिवस पर उपस्थित होकर सूची का अवलोकन कर सकता है। साथ में ही यह सूची संबंधित नगर परिषद/नगर पालिकाओं की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। जिस किसी आमजन को प्रकाशित सूची पर किसी प्रकार का एतराज या आपत्ति है तो वह अपने दस्तावेजों सहित अपना एतराज/आपत्ति लिखित में दस्तावेजों सहित संबंधित परिषद/पालिकाओं की गृहकर/संपत्तिकर शाखा में सुनवाई के लिए जमा करवा सकता है।

नारनौल। नगर परिषद कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

यह दस्तावेज करने होंगे जमा

⏭ राजस्व प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित दावेदार का शपथ पत्र, जिसमें आबादी देह/लाल डोरा में स्वामित्व/कब्जा का स्पष्ट उल्लेख हो।
⏭ पिछले 10 वर्षों का बिजली व पानी का बिल
⏭ कोई भी सरकार द्वारा जारी किया गया दस्तावेज जैसे ईपीआईसी, ड्राइविंग लाइसेंस,
⏭ पासपोर्ट, जीएसटी पंजीकरण प्रमाण पत्र आदि जिसमें पता शामिल हो।
⏭ अधिकार के पिछले 10 वर्षों का पता लगाने के लिए आवश्यक दस्तावेज
पिछले 10 वर्षों के अधिकार का पता लगाने के लिए निर्मित संरचना का प्रमाण पत्र
⏭ दावाकर्ता द्वारा प्रदान किए जाने वाले दस्तावेजों की वांछनीय सूची
⏭ बिक्री विलेख/हस्तांतरण विलेख
⏭ हस्तांतरण विलेख/ज्याग विलेख/मुक्ति विलेख/जमाबंदी फरद
⏭ राजस्व अधिकारी के साथ पंजीकृत अदालत का आदेश
⏭ रजिस्ट्री/बिक्री विलेख
⏭ मूल मालिक की मृत्यु में उपयुक्त उल्लेखित दस्तावेजों के साथ–साथ सक्षम राजस्व
⏭ प्राधिकरण/सिविल अदालत में जारी कानूनी/सिविल अदालत में जारी कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जरूरी है।

लाल डोरे में इन शहरों में भवन मालिकों की संख्या

शहर	संख्या
नारनौल	12,739
महेंद्रगढ़	2316
अटेली मंडी	356
नांगल चौधरी	158
कनीना	1253

आम व खास जन के लिए यह जारी किए नोटिस

संपत्तिकर सर्वे के दौरान दर्ज प्रविष्टियों व शहरी स्थानीय निकाय विभाग के 12 मार्च 2024 व 11 जुलाई 2024 के पत्र द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिला महेंद्रगढ़ की सभी परिषद/पालिका नारनौल, महेंद्रगढ़, अटेली मंडी, नांगल चौधरी व कनीना द्वारा लाल डोरे/आबादीदेह में स्थित संपत्तियों का संपत्ति प्रमाण पत्र जारी किया जाना है। जिससे संबंधित प्रारम्भिक सूची का प्रकाशन पहले ही किया जा चुका है।

आज नारनौल में लगेगी विशेष बिजली अदालत

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए 22 जुलाई को विशेष बिजली अदालत एवं बिजली बिल समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सिंघाना रोड स्थित बिजली बोर्ड के सर्कल कार्यालय में प्रातः 11 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित किया जाएगा। जानकारी देते हुए अधीक्षक अभियंता जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि उपभोक्ता इस अवसर पर अपनी बिजली कनेक्शन से जुड़ी शिकायतें एवं बिल संबंधी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रख सकेंगे। मौके पर ही समाधान की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को बार-बार चक्कर काटने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने बताया कि इस विशेष शिविर में 50 हजार से एक हजार तक के बिजली बिल मामलों पर सुनवाई की जाएगी। मुख्य रूप से गलत बिजली बिल, रीडिंग में त्रुटि, औसत (एवरेज), बिलिंग की समस्या एवं अन्य बिलिंग असमानताओं का समाधान किया जाएगा।

खबर संक्षेप

बिना ओटीपी के ही बैंक खाते से निकाले 4 लाख

नारनौल। साइबर ठगी में लिप्त लोगों ने अब बिना ओटीपी लिए ही बैंक खातों से राशि निकालनी शुरू कर दी है। ऐसे ही कारनामे के चलते साइबर ठगों ने एक प्राइवेट स्कूल के टीचर के बैंक खाते से करीब चार लाख रुपये दो बार करके निकाल लिए। मुंडिया खेड़ा निवासी पीड़ित टीचर नरेश कुमार ने बताया कि वह एक निजी स्कूल में वाइस प्रिंसिपल लगा हुआ है। अज्ञात साइबर ठगों ने उसके बैंक खाते से गत 18 जुलाई को क्रमशः 1,90,007.98 तथा 2,20,007.08 रुपये दोपहर के समय निकाल लिए। कमाल की बात यह है कि यह रकम निकालने में उसने ओटीपी किसी से शेयर नहीं किया, जबकि दो बार करके उसके खाते से लगभग 410014.16 रुपये निकल गए।

पीजी कॉलेज में रिक्त सीटों के लिए काउंसलिंग आज

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय में स्नातक कक्षाओं में रिक्त साटों के लिए फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन मंगलवार को किया जाएगा। कॉलेज के दाखिला नोडल अधिकारी डा. सतीश सैनी ने बताया कि दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थी, जिन्होंने अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वो आवश्यक मूल दस्तावेजों व उनकी प्रति सहित प्रातः 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक उपस्थित होकर काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग ले सकते है। काउंसलिंग में प्रवेश मेरिट व सीटों की उपलब्धता के आधार पर दिया जाएगा।

यदुवंशी कॉलेज में स्नातकोत्तर में प्रवेश प्रारंभ

नारनौल। यदुवंशी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य बजरंग लाल ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग हरियाणा सरकार की ओर से स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए पोर्टल खुल चुका है। एमएससी फिजिक्स, केमिस्ट्री, गणित, कंप्यूटर साइंस, ज्योग्राफी, बॉटनी, जूलॉजी, एमए हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, संस्कृत, एमकॉम, एमटेक संकायों में सीमित सीटों पर पीजी में प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं। यदुवंशी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों व अभिभावकों को विश्वस्त करते हुए कहा कि चेयरमैन स्कॉलरशिप के तहत विद्यार्थियों को फीस में विशेष छूट पर एडमिशन किए जा रहे हैं।

खासपुर में तीज पर्व पर मेला 27 को

नारनौल। गांव खासपुर में तीज पर्व के पावन अवसर पर श्री शनि शक्ति धाम की आठवीं वर्षगांठ पर वार्षिक मेले का आयोजन 27 जुलाई को किया जाएगा। मेले की तैयारियों में ग्राम की महिला समिति ने अभूतपूर्व योगदान दिया है। समिति की सदस्य रामकला, बिमला, बाला, दयावती, संतरा आदि पिछले दो महीनों से मंदिर प्रांगण में सफाई अभियान व भंडारे की व्यवस्था में जुटी हुई हैं।

लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही बरतने का लगाया आरोप

सड़क पर खुला बहता दोहान नदी का पानी बना परेशानी, हादसे का डर

- तीन वर्ष से सड़क पर खुला बह रहा है दोहान नदी का पानी, कई जगह सड़क पर बन चुके है गहरे गड्ढे
- वाहन चालकों को नहीं दिखाई देते सड़क पर बने गड्ढे, रात के समय वाहन चालकों को उठानी पड़ती है अधिक परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

रेवाड़ी रोड पर निकलता दोहान नदी का पानी

जहां एक ओर दोहान नदी का पानी क्षेत्र के किसानों के लिए सिंचाई का माध्यम बनकर राहत दे रहा है, वहीं दूसरी ओर यह पानी वाहन चालकों और राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन चुका है। बीते तीन वर्षों से सड़क पर लगातार बह रहे नदी के पानी से सड़कों की हालत खराब हो गई है और कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन चुके हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोहान नदी का पानी बिना किसी निकासी व्यवस्था के सड़क पर फैल रहा है। खुले बहाव के कारण वाहन चालकों को गड्ढों का अंदाजा तक नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटनाएं होने का खतरा हमेशा बना रहता है। सबसे अधिक परेशानी रात के समय होती है, जब अंधेरे में पानी भरे गड्ढे दिखाई नहीं देते। इस दौरान दुपहिया वाहन चालक अक्सर गिर जाते हैं या वाहन क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार छोटे बच्चे और बुजुर्ग भी इस कारण फिसल चुके हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि तीन साल से लगातार शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन अब तक न तो सड़क की मरम्मत की गई और न ही पानी की निकासी के लिए कोई स्थायी समाधान किया गया।

तीन साल में भी नहीं निकला खुले पानी का समाधान

दोहान में नदी में करीब तीन साल में खुला पानी छोड़ा जा रहा हैं। यह पानी मुख्य मार्ग की सड़क से भी होकर गुजर रहा है, जिससे राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। दोहान नदी अटेली रोड, बुचौली रोड, देवास व डुलाना से होकर गुजर रहा था। अब रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ मार्ग में भी खुला बह रहा हैं। सिंचाई विभाग की ओर से बुचौली व डुलाना रोड से खुल बह रहे दोहान पानी का समाधान निकाल दिया है, लेकिन अभी अन्य मार्गों पर वाहन चालकों के लिए परेशानी बनी हुई है। अटेली रोड व रेवाडी मार्ग पर वाहनों का आवागमन ज्यादा है, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों द्वारा जिला प्रशासन दोहान नदी का पानी मुख्य मार्गो से पाइपलाईन के माध्यम से निकालने की मांग की जा रहीं हैं।

पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से किया जा रहा है संपर्क

सिंचाई विभाग के जेई दीपक कुमार ने बताया कि बुचौली रोड व डुलाना रोड पर खुले बहते पानी का समाधान निकाला जा चुका है। अन्य मार्गों की समस्या के समाधान के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है। करीब दो माह तक दोहान नदी में पानी चलेगा। इसके बाद इसका स्थाई समाधान निकाला जाएगा।

नारनौल। सिविल सर्जन कार्यालय में ज्ञापन सौंपते अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी।

अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने सर्जन कार्यालय में सौंपा ज्ञापन

- सेवा सुरक्षा अधिनियम का तत्काल लाभ व लंबित वेतन भुगतान करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अनुबंधित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ संबद्ध भारतीय मजदूर संघ द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में जिला सिविल सर्जन कार्यालयों के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गए। इसी कड़ी में नारनौल में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत अनुबंधित कर्मचारियों ने सिविल सर्जन कार्यालय में सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा।

इस मौके पर संघ के प्रदेशाध्यक्ष भूपेश पालीवाल ने बताया कि एचकेआरएन कर्मचारियों की लंबित समस्याओं एवं सेवा सुरक्षा अधिनियम–2024 के अंतर्गत लाभ दिलवाने हेतु सौंपा गया। ज्ञापन में सेवा सुरक्षा अधिनियम का तत्काल लाभ, लंबित वेतन भुगतान, योग्यता अनुसार लेवल में समायोजन, जोखिम भत्ता, भत्तों की सुविधा, स्थानांतरण नीति, ईएसआईसी एवं एलडब्ल्यूएफ का लाभ और आठ प्रतिशत वेतन वृद्धि सहित कुल 13 प्रमुख मांगें शामिल हैं।

पालीवाल ने बताया कि संघ हमेशा राष्ट्रवादी विचारधारा और सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाते हुए कार्य करता आया है। हमने बार-बार सरकार से संवाद के माध्यम से समाधान की मांग की है, लेकिन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया।

इस कारण संगठन आगामी चार अगस्त को प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। प्रदेश महासचिव मनीष कुमार ने कहा कि एचकेआरएन के हजारों कर्मचारी वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान दे रहे हैं, लेकिन आज भी वे असुरक्षित व उपेक्षित हैं। हम सरकार से मांग करते हैं कि सेवा सुरक्षा अधिनियम का लाभ सभी कर्मचारियों को समान रूप से दिया जाए और समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाए। प्रत्येक जिले में संगठन के जिला अध्यक्ष, संयोजक एवं पदाधिकारियों ने नेतृत्व करते हुए जिला सिविल सर्जन के माध्यम से ज्ञापन सौंपा।

महेंद्रगढ़। देवनगर बांध का निरीक्षण करते पूर्व मंत्री व विधायक। फोटो : हरिभूमि

पूर्व सिंचाई मंत्री व विधायक ने किया सिंचाई योजनाओं का निरीक्षण

महेंद्रगढ़। पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव एवं विधायक कंवर सिंह यादव ने महेंद्रगढ़ हल्के में सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान मंजूर की गई सिंचाई योजनाओं का निरीक्षण किया। सबसे पहले पूर्व मंत्री विधायक के साथ गांव देवनगर के पास दोहान नदी पर बनाए गए बांध पर पहुंचे। जहां ग्रामीणों ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने पूर्व मंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि करीब आधा किलोमीटर के क्षेत्र में नदी में लगभग 15 फीट गहरा पानी भरा हुआ है तथा बांध के ओवरफ्लो से लगातार पानी चल रहा है। नदी का यह पानी महेंद्रगढ़ रोड को पार करके गांव माजरा कलां पार करता हुए दोहान नदी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि माजरा कलां तक झूक माइनर से पाइपलाइन के माध्यम से दोहान नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। यह पानी केंद्रीय विद्यालय तक पहुंच रहा है। इसी तरह गांव मांडोला एवं नींबी में महेंद्रगढ़ डिस्ट्रीब्यूटरी से जोहड़ों में पानी भरा जा रहा है। नींबी गांव के तीन जोहड लबालब भरे हुए है तथा मांडोला गांव के जोहड़ में पानी पहुंचना शुरू हो गया है। इसके अलावा अनेकों गावों के जोहड़ इस मौसम में नहर से जुड़े पाइप लाइन से भरे जा चुके हैं। नींबी तथा ढुलोठ अहीर गांवों में दो पक्के जल भंडार भी बनाए जा चुके है, जो रबी की फसल के लिए सिंचाई का पानी उपलब्ध करवाएंगे। निरीक्षण के दौरान पूर्व मंत्री और विधायक को जो कमियां नजर आई उन कमियों को दूर करने अधिकारियों को निर्देश दिए।

दक्षिणी हरियाणा में भाजपा में ही वर्चस्व को लेकर राजनीति शुरू

अभय बोले...5 हलके में विपक्ष से मिलकर चुनाव लड़ने वाले भी पार्टी की हवा बनाने का कर रहे दावा, आरती बोली...हवा होती तो खुद जीत जाते

सतीश सैन ⏭ नारनौल

स्वास्थ्य मंत्री आरती राव का एक्स पर लिखे अभय सिंह के राजनीति वार पर किया पलटवार, डा. अभय सिंह यादव की पोस्ट का हवाला देते हुए सवाल पूछा तो जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने कहा कि हवा बनाई होती तो वह खुद ही जीत जाते।

दक्षिणी हरियाणा में भाजपा में ही वर्चस्व को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। एक ही पार्टी में रहकर भी केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव के बीच इन दिनों 36 का आंकड़ा है। यह राजनीति लड़ाई बिना किसी का नाम लिए कभी सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से सामने आ रही है तो कहीं मंच से यह नजारा दिख रहा है। तीसरी बार भाजपा सत्ता में लाने के पीछे जहां स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव 'राव परिवार' बता रही है। इसका जवाब रविवार एक्स पर बिना नाम लिखे डा. अभय सिंह यादव ने दिया तो पटलवार करते हुए सोमवार आरती सिंह राव ने मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए किया।

- केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव के बीच इन दिनों 36 का आंकड़ा

दरअसल, 18 जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कोसली विधानसभा क्षेत्र के गांव लुखी में मंच से जनता को सम्बोधित करते हुए कहा था कि 'किसी ने नहीं सोचा था भाजपा की सरकार बनेगी। हमने सोचा था। हमने हवा बनाई। हमने कर दिखाया और भाजपा सरकार लगातार तीसरी बार बनाई। आप सभी की बदौलत' आरती राव के इस बयान के बाद पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव ने रविवार सोशल मीडिया एक्स पर एक पर पोस्ट डाली।

उस पर लिखा कि 'अहीरवाल के पांच विधानसभा क्षेत्र में मुख्य विपक्षी दल से मिलकर चुनाव लड़ने वाले भी पार्टी के हवा बनाने का दावा कर रहे हैं।' इसके बाद सोमवार रेवाड़ी में जब आरती राव जिला भाजपा कार्यालय में पहुंची तो वहां मीडिया ने डा. अभय सिंह यादव की पोस्ट का हवाला देते हुए सवाल पूछा तो जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने कहा कि हवा बनाई होती तो वह खुद ही जीत जाते।

आरती सिंह राव

डा. अभय सिंह यादव

यूं आमने-सामने हो रही अप्रत्यक्ष तौर पर वार

भाजपा सरकार ने मेडिकल कॉलेज कोरियावास का नाम महर्षि च्यवन के नाम से रखा हुआ है। वहीं इसका नामकरण शहीद राव तुलाराम के नाम पर करने की मांग को लेकर ग्रामीण तीन माह से धरने पर बैठे है। इसी धरने पर आकर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने समर्थन दिया था। इससे पहले नांगल चौधरी की कांग्रेस विधायक मंजू चौधरी स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के चंडीगढ़ आवास पर डिनर में शामिल हुई। इसके बाद अप्रत्यक्ष तौर पर डा. अभयसिंह यादव ने आरती राव के डिनर पर नांगल चौधरी विधायक मंजू चौधरी की मौजूदगी पर हमला बोला था। इसके बाद दूसरी बार नसीबपुर में विशाल शहीदी स्मारक बनाने के साथ साथ दिल्ली में बंद राव तुलाराम कॉलेज को खुलवाने की बात कहकर वार किया। जब आरती राव ने मंच से हवा बनाने पर ही भाजपा सत्ता में आने की बात कही तो फिर से डा. अभयसिंह यादव ने एक्स पर लिखा। इसका जवाब आरती राव ने दिया। अभी यह राजनीति शब्द बाण थमने का नाम नहीं ले रहे है। भविष्य में यह नजारे फिर दिखाई दे सकते है।

हरिभूमि
रोहतक मंगलवार
22 जुलाई 2025

सहेली

हरियाली तीज स्त्रीत्व का उत्सव

सावन के महीने में मनाए जाने वाले हरियाली तीज पर्व का धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व तो है ही, इसे स्त्रीत्व का उत्सव भी माना जाता है। इससे जुड़े रीति-रिवाजों और परंपराओं में परिवार और रिश्तों की मंगलकामनाएं भी निहित होती हैं। इसीलिए आज के दौर में भी इस पर्व की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है।

पर्व
यशोधरा भटनागर

हरियाली तीज आते ही बीती यादें आंखों के सामने नाचने लगती हैं। कितने दिन पहले से मां तीज की तैयारी में लग जाती थीं। मनिहारिन काकी चूड़ी, टिकुली, मेहंदी, महावर का टोकरा सिर पर रखे आंगन में जम जातीं। दादी, चाची, हम सब उनके आस-पास बैठ जाते। हमारी आंखें काकी के टोकरे को स्कैन कर लेने में कोई कसर नहीं छोड़तीं। सावन के सेहरों संग उत्सव के हरे, लाल, पीले खुशियों के रंग चारों ओर बिखर जाते। दादी बताती थीं कि सावन का महीना शिव पूजा का पवित्र माह है। शिव जी के प्रिय श्रावण मास में सबसे ज्यादा वर्षा होती है। अधिक वर्षा शिवजी के विष से गर्म शरीर को ठंडक प्रदान करती है। भारतीय लोकजीवन में सावन प्रेम, सौंदर्य और श्रद्धा का माह है। इस माह में आया हरियाली तीज का पर्व, भारतीय स्त्री के जीवन, उसकी संवेदनाएं और उसके संकल्पों का सुंदर भावनात्मक प्रस्तुतीकरण है।

तीज का मूलार्थ और स्वरूप

'तीज' शब्द संस्कृत के 'तृतीया' से लिया गया है, जिसका अर्थ है हिंदू पंचांग की शुक्ल या कृष्ण पक्ष की तीसरी तिथि। सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को 'श्रावण तीज' या 'हरियाली तीज' कहा जाता है। मुख्य रूप से यह पर्व उत्तर भारत में राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों में महिलाओं द्वारा श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। मान्यता है, देवी पार्वती ने शिव जी को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। देवी पार्वती ने सावन में मृतिका से शिवलिंग का निर्माण करके भक्ति भाव से शिवजी का पूजन किया और तपस्या में लीन हो गईं। उनकी तपस्या से अंत में प्रसन्न होकर हरियाली तीज पर भगवान शिव प्रकट हुए और देवी पार्वती को वरदान दिया कि तुम मेरी अर्धांगिनी बनोगी। इस प्रकार भोलेनाथ सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को विवाह के लिए तैयार हुए थे। इसीलिए हर साल हरियाली तीज के दिन कुंवारी लड़कियां मनचाहे वर के लिए और विवाहित स्त्रियां पति की लंबी आयु के लिए यह व्रत करती हैं।

तीज का सामजिक-सांस्कृतिक और भावनात्मक पक्ष

सावन की तीज नारी जीवन के उस पहलू को सजीव करती है, जहां वह एक उपासिका, एक सृजनशील शक्ति और एक भावनात्मक केंद्र बन जाती है। विवाहित स्त्रियां अपने पति की दीर्घायु और सुखमय जीवन के लिए व्रत रखती हैं। यह उपवास केवल दैविक आस्था नहीं, बल्कि एक मानसिक और आत्मिक शक्ति का प्रदर्शन भी है। मायके और ससुराल के बीच भावनाओं का पुल बनती है तीज। विवाहित बेटियों को मायके बुलाया जाता है। गोटा लगी हरी-लाल लहरिया लहराती साड़ी में सजी बहू-बेटियों के हाथों में मेहंदी, कलाई में चूड़ियां, पांवों में महावर, बिछिए, पायल के स्वर पूरे माहौल को झंकृत करते आशीष देते हैं। गीतों, हंसी, झूलों और श्रृंगार से सजी यह बेला उन्हें अपने स्त्रीत्व का उत्सव मनाने का अवसर देती है। तीज जैसे पर्व भारतीय स्त्री को मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त करते हैं। सहेलियों, बहनों, पड़ोसियों के साथ त्योहार मनाने से आपसी संबंध मजबूत होते हैं।

व्रत, पूजा और अनुष्ठान

तीज के दिन महिलाएं सूर्योदय से पूर्व स्नान कर सुंदर-स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं। व्रत रखती हैं और दिनभर शिव-पार्वती की पूजा करती हैं। शिव-पार्वती की कथा से उन्हें प्रेम, समर्पण और आत्मबल का आदर्श मिलता है। सौभाग्यवती स्त्रियां सोलह श्रृंगार, मेहंदी, चूड़ियां, बिंदिया, पायल, साड़ी आदि में सजकर देवी पार्वती की भांति स्वयं को नववधू के रूप में अलंकृत करती हैं। तीज के पारंपरिक लोकगीतों के साथ यह व्रत संपन्न होता है।

झूले, गीत और नारी की अभिव्यक्ति

सावन और तीज के गीत भारतीय स्त्रियों की भावनाओं, पीड़ा, प्रतीक्षा, प्रेम और सामाजिक स्थिति के स्वरों को पिरोते हैं। 'कजरियां', 'सावन के झूले', 'मायके बुलावे' जैसे गीत न केवल मनोरंजन के साधन हैं, बल्कि स्त्री के भीतर छिपे भावलोक की सुंदर झलक भी हैं।

आधुनिक संदर्भ में तीज

समय के साथ तीज का स्वरूप बदला है, पर इसका आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व आज भी उतना ही प्रासंगिक है। आज की नारी भी इस पर्व को केवल रीति नहीं, एक उत्सव के रूप में मनाती है, जहां वह अपने अस्तित्व, विश्वास और संबंधों को फिर से सजीव कर आनंदित होती है। सावन की तीज केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, यह भारतीय स्त्री के आंतरिक सौंदर्य, उसकी सहनशीलता, उसकी आस्था और उसके आत्मबल का प्रतीक है। यह पर्व उसे अपनी जड़ों से जोड़ता है, प्रकृति के साथ उसका संवाद कराता है। हरियाली तीज नारी का उत्सव है। उत्सव है भावों का, विश्वास का और उसकी अपनी पहचान का।

हाथों पर रचवाएं आकर्षक मेहंदी

हरियाली तीज पर आप ट्रेडिशनल ड्रेसअप, मेकअप और ज्वेलरी कैरी करने के साथ हाथों पर मेहंदी भी जरूर लगवाएंगी। हम आपको यहां बता रहे हैं कि किस तरह के मेहंदी डिजाइन इन दिनों ट्रेंड हैं, जिन्हें आप रचवा सकती हैं।

श्रंगार
निधि गोयल

तीज का त्यौहार विवाहित महिलाओं के लिए बहुत मायने रखता है। ऐसे में महिलाएं सोलह श्रंगार करती हैं। सोलह श्रंगार को पूरा करती है हाथों में रची प्यारी-प्यारी मेहंदी। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह के मेहंदी के डिजाइन आप अपने हाथों में लगाकर इस तीज पर डिफरेंट नजर आ सकती हैं। इनमें से कुछ मेहंदी डिजाइंस पर एक नजर।

भरवा मेहंदी डिजाइन

तीज जैसे मौके पर भरे-भरे डिजाइन वाली मेहंदी पसंद की जाती हैं। इनके अलावा जालीदार, फूल पत्तियों के डिजाइन काफी पसंद किए जाते हैं। साथ ही इनमें फूलों के डिजाइन भी काफी सुंदर लगते हैं। जब आप इस तरह की मेहंदी लगवाती हैं, तो हाथों की खूबसूरती और बढ़ जाती है।

अरेबिक मेहंदी डिजाइंस

अरेबियन मेहंदी के डिजाइन अधिकतर महिलाओं को पसंद आते हैं। इनमें आजकल कई तरह के डिजाइन ट्रेंड में चल रहे हैं। इस डिजाइन से आपके हाथों को बेहद सुंदर लुक मिलता है। अरेबिक मेहंदी डिजाइन में हाथों में भरकर मेहंदी नहीं लगाई जाती है। बल्कि इसमें बेल टाइप मेहंदी डिजाइन ज्यादा पसंद की जाती है। साथ ही आपकी लगी हुई मेहंदी हैवी भी नजर आती है। इनमें बहुत सारे डिजाइन आजकल ट्रेंड में हैं, इनमें से आप कुछ अलग हट कर डिजाइन अपने हाथों पर लगवा सकती हैं।

इस डिजाइन में हथेली को पूरी तरह भर कर बनाया जाता है। यह डिजाइन बहुत खिलता हुआ नजर आता है।

पोर्ट्रेट मेहंदी डिजाइंस

आजकल इस तरह की मेहंदी डिजाइन भी काफी ज्यादा पसंद की जा रही है। इसमें अपने किसी खास व्यक्ति की मुखाकृति को बनाया जाता है। शादी और तीज जैसे त्यौहारों पर तो खासकर इस मेहंदी डिजाइन को काफी पसंद किया जाता है। खासकर ब्राइडल के हाथों पर इन मेहंदी को

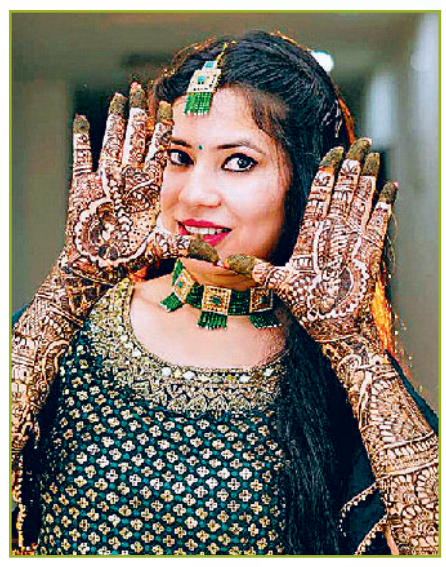

आपने लगा देखा होगा। इसमें दूल्हा और दुल्हन की आकृति को हाथों पर बनाया जाता है। जिससे ब्राइडल के हाथ बेहद सुंदर नजर आते हैं। तीज जैसे त्यौहारों पर भी इस मेहंदी डिजाइन का काफी क्रेज देखा जा रहा है।

टैटू मेहंदी डिजाइंस

अगर आपके पास कम समय है और आप कुछ घंटे बैठकर मेहंदी कहीं लगवा नहीं पाती हैं तो ऐसे में टैटू मेहंदी लगा सकती हैं। इसके लिए बाजार में मिलने वाले मेहंदी के टैटू आप स्वयं लेकर आसानी से हाथों पर लगा सकती हैं। टैटू मेहंदी में आप काफी सारे डिजाइन, जो काफी ट्रेंडी और यूनिक हैं, उन्हें खरीद के इस तीज पर अपने हाथों पर लगा सकती हैं।

ज्वेलरी मेहंदी डिजाइंस

त्यौहारों पर यह मेहंदी डिजाइन भी बेहद सुंदर नजर आती है। ज्वेलरी मेहंदी के डिजाइन इस तरह के लगाए जाते हैं कि आपके हाथों पर लगाई गई मेहंदी गहनों की तरह नजर आती है। ज्वेलरी मेहंदी डिजाइंस आमतौर पर पूरे हाथ, बाजू और पैरों को कवर करते हैं और बहुत विस्तृत और कलात्मक होते हैं। इन्हें अगर सफाई से नहीं लगवाया जाए तो फिर ज्यादा सुंदर नहीं लगते हैं। ऐसे में मेहंदी लगाने वाले का एक्सपर्ट होना जरूरी है।

(ब्यूटीशियन साधना शर्मा से बातचीत पर आधारित)

बच्चे और आप
नीलम अरोड़ा

छोटे बच्चे अपने पापा-मम्मी के पास ज्यादा से ज्यादा रहना चाहते हैं। पैरेंट्स भी यही चाहते हैं। सवाल यह है कि बच्चे रात में अकेले सोएं या अपने पापा-मम्मी के साथ? इस बारे में आपके लिए जरूरी सलाह।

बच्चों को अपने साथ सुलाना कितना सही-कितना गलत

हमारे देश में ही नहीं, दुनिया के कई और देशों में भी बच्चों को काफी उम्र तक माता-पिता अपने साथ सुलाते हैं। उनका मानना होता है कि इससे बच्चों की माता-पिता के साथ बॉन्डिंग ज्यादा गहरी होती है। बच्चे स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। पैरेंट्स भी उनकी सुरक्षा के विषय में सुनिश्चित रहते हैं। कई माता-पिता अपने बेडरूम में ही बच्चों को एक ही पलंग पर सुलाते हैं, तो कई अपने बेड पर न सुलाकर उन्हें उनके लिए अलग बेड की व्यवस्था करते हैं। पश्चिमी देशों में इसके विपरीत बच्चों को शुरू से ही अलग सुलाया जाता है, जिसमें सबसे बड़ी वजह बच्चों को बेहतर नींद आए और माता-पिता की प्राइवेसी में कोई खलल न पड़े।

साथ सुलाने के फायदेः बच्चों को साथ सुलाने के कई फायदे होते हैं। इससे उनको भावनात्मक सुरक्षा तो मिलती ही है, जब वो साथ सोते हैं तो कम रोते हैं और कम तनावग्रस्त होते हैं। उनका शारीरिक विकास भी बेहतर होता है, क्योंकि अलग सोने वाले बच्चों की तुलना में वे खुश रहते हैं, उनकी कम तनाव होने और स्वस्थ रहने से उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है। माता-पिता जब बच्चों को अपने साथ सुलाते हैं तो चूंकि वे उनकी सुरक्षा के प्रति आश्वस्त होते हैं, उन्हें भी अच्छी नींद आती है। बच्चों के साथ उनके रिश्ते मजबूत होते हैं। एक-दूसरे के करीब होने के कारण वे एक-दूसरे की शारीरिक और मानसिक जरूरतों को ज्यादा अच्छी तरह से समझ सकते हैं। साथ में सुलाने से बच्चों की देखभाल करना, उनकी किसी भी तरह की जरूरत को समझना उनके लिए ज्यादा सुविधाजनक होता है।

बच्चों को अलग कब सुलाएंः इस विषय में कोई सटीक जवाब नहीं मिलता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों को छह महीने के बाद अलग सुलाना चाहिए। जबकि कुछ का मानना है कि बच्चे जब दो या तीन साल के हो जाते हैं तो पैरेंट्स को अपनी प्राइवेसी मेंटेन करने के लिए उन्हें अपने से अलग सुलाना चाहिए। कुछ बालरोग विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के साथ लंबे समय तक बेड शेयरिंग नहीं करनी चाहिए। खासतौर पर बच्चे जब छोटे हों। क्योंकि नींद में बच्चों की स्थिति का पता नहीं चलता। ऐसे में यदि माता-पिता को कोई संक्रामक रोग है तो इसका असर बच्चे पर पड़ सकता है।

कुछ और जरूरी सुझावः यदि बच्चा प्री-मैच्योर है तो उसे मां को अपने साथ सुलाना चाहिए। बच्चे को एक ही बिस्तर पर सुलाने से जगह कम होने के कारण उनके गिरने की भी आशंका रहती है।

- यदि बच्चे को लंबे समय तक अपने साथ सुलाया जाए तो एक समय के बाद उसे अकेले सोने में डर लगता है। बाद में उनकी आदत बदलना कठिन होता है।
- अगर आप भी अपने बच्चों को अपने साथ सुलाती हैं तो इस बात का खास ख्याल रखें कि आपका बिस्तर कितना लंबा चौड़ा है। अगर इसमें पर्याप्त स्थान नहीं है तो बच्चे के गिरने या दबने की भी आशंका रहती है।
- अगर बच्चे का माता-पिता के साथ ज्यादा भावनात्मक जुड़ाव हो तो उसे धीरे-धीरे अपने से अलग सुलाने की आदत डालनी चाहिए। साथ सुलाने में माता-पिता की ही नहीं बच्चे की नींद भी बाधित होती है।
- बच्चा अगर बहुत छोटा नहीं है तो उसके लिए अपने ही कमरे में अलग बेड की व्यवस्था करें। धीरे-धीरे उसे अलग कमरे में सुलाएं, लेकिन उसका कमरा आपके बेडरूम से ज्यादा दूर नहीं होना चाहिए। ताकि रात के समय जब उसे आपकी जरूरत हो तो आप उसके लिए तुरंत वहां हाजिर हो सकें।

मेंटल हेल्थ
अंजू जैन

क्या आप हमेशा सोचती हैं नेगेटिव

कुछ लोगों का मन हमेशा उदासी में डूबा रहता है। उन्हें लगता है, कोई उनको पसंद नहीं करता। अपने आपको हर काम में असक्षम मान लेते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आप नेगेटिवटी से घिरी हुई हैं, मानसिक रोग से ग्रस्त हो सकती हैं। इससे जल्द से जल्द उबरिए। सबसे पहले अपने आपको पहचानें कि क्या आप मानसिक रोग से ग्रस्त हैं, फिर अपनी सोच बदलने का प्रयास करें।

मुझे कोई चाहता नहींः 'मेरी किसी को परवाह नहीं।', 'हर कोई खुद में ही मस्त है, मुझे कोई नहीं चाहता।' अगर अकेले में आप ऐसा बार-बार सोचती हैं तो समझ लें कि आपका दिमाग वास्तविकता की बजाय भावनाओं में बह रहा है, बहका हुआ है। ऐसे में कई बार आप अचानक अपराधबोध की शिकार हो जाती हैं, सोचती हैं कि मैंने कुछ गलत किया है।

क्या करेंः 'द हैप्पीनेस ट्रैप' पुस्तक में मनोविज्ञानी रस हैरिस ने लिखा है कि इस स्थिति में आपको अपनी अनुभूतियों को कंट्रोल में लाना होगा, सच्चे मन से वास्तविकता को पहचानना होगा। 'मैं अकेली हूं, मुझे कोई नहीं चाहता।' ऐसा कुछ सोचना, अस्थाई मानसिक स्थिति के इमोशंस हैं। इन्हें आपको हवा में उड़ाना सीख लेना चाहिए। अपने इमोशंस को कंट्रोल सकती हैं।

कोशिश करना बेकार हैः आपको अपनी पसंदीदा जॉब की वैकेंसी की खबर मिलती है। आप पल भर के लिए उत्साहित होती हैं। लेकिन अगले ही पल आपका मन बुझ जाता है, आप अपनी क्वालिफिकेशन से ज्यादा अपनी कमियां गिनने लगती हैं। फिर सोचती हैं कि मुझे यह जॉब नहीं मिलेगी।

क्या करेंः यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस एंड साइको-फिजियोलॉजिकल लैब में डायरेक्टर बारबरा फ्रेड्रिक्शन कहती हैं, 'हमारी ज्यादातर नेगेटिविटी मेंटल टाइम ट्रैवल से आती है। नेगेटिविटी से उबरने के लिए आप धीरे-धीरे अपनी पॉजिटिव बातों पर फोकस करिए। एक-एक कर आपको अपनी क्षमताओं का अनुभव होने लगेगा, उसी वक्त संकल्प लें कि आपको पूरी ऊर्जा के साथ यह काम करना है। हर शाम दिनभर की अच्छी बातें, घटनाएं और उपलब्धियां लिखें और इसके लिए ऊपर वाले का शुक्रिया अदा करें। मेडिटेशन करें। आपको निराशा से उबरने में मदद मिलेगी।'

हर बुरी बात के लिए खुद को जिम्मेदार माननाः कई बार आप अपने आस-पास होने वाली हर बुरी बात के लिए खुद को जिम्मेदार मानने लगती हैं। कोई किसी मीटिंग या किसी पार्टी में आपके जाते ही निकल जाता है तो आपको लगता है कि वह आपके व्यवहार से नाराज है।

क्या करेंः सबसे पहले आपको इस बात पर विश्वास करना होगा कि दुनिया में या आपके इर्द-गिर्द हो रही हर बात के लिए आप जिम्मेदार नहीं हैं। मनोचिकित्सक और 'यू आर नॉट युअर ब्रेन' की लेखिका रेबेका ग्लेडिंग कहती हैं, 'आपको स्वीकार कर लेना चाहिए कि दूसरों के मूड पर आपका कोई नियंत्रण नहीं है। इससे उबरने में मदद मिलेगी।'

फिटनेस
शिखर चंद जैन

घरेलू कामों से भी होती है एक्सरसाइज

फिट रहने के लिए हमेशा जरूरी नहीं कि जिम में जाकर वर्कआउट ही करें। आप बहुत से घरेलू काम करते हुए भी एक्सरसाइज के फायदे उठा सकती हैं, अपनी फिटनेस मेंटेन कर सकती हैं। इस बारे में जानिए।

रवीना अपने बढ़ते वजन और कमर के बढ़ते घेरे से परेशान थी। मोटापे के कारण न सिर्फ उसका शरीर बेडौल होने लगा बल्कि उसे गैस और अपच जैसी समस्याएं भी सताने लगीं। फैमिली डॉक्टर उसे कई बार सुबह-शाम वर्कआउट करने के लिए या जिम ज्वाइन करने के लिए कह चुके थे। लेकिन रवीना को वक्त ही नहीं मिलता था। सुबह बेटे-बेटी को स्कूल भेजती, फिर पति के साथ ब्रेकफास्ट करती। ग्यारह बजे हाउसमेड आ जाती, उससे लंच बनवाने, कपड़े धुलवाने, बर्तन मंजवाने और पूरे घर की साफ-सफाई करवाने में एक बज जाता। उसके जाने पर वह खाना खाती, टीवी देखती और दो घंटे सो जाती। शाम को सोसायटी की कुछ महिलाएं आ जातीं, उनसे गप-शप करने में 6 बज जाते, फिर डिनर की तैयारी करती। इस तरह न तो उसे जिम जाने की फुर्सत मिलती और न वर्कआउट करने की। एक दिन उसने अपनी सहेली शैलजा से अपनी समस्या बताई और पूछा, 'तू भी तो जिम नहीं जाती फिर कैसे फिट दिखती है?' इस पर शैलजा बोली, 'घर की साफ-सफाई से लेकर बर्तन, कपड़े धोने, गार्डनिंग और खाना बनाने तक का काम मैं ही करती हूं। यही तो है मेरी फिटनेस और हेल्दी रहने का राज। तुझे पता है, घर के काम-काज करने का फायदा भी जिम जाने जितना ही मिलता है।' शैलजा ने बिल्कुल ठीक कहा।

क्या कहती हैं स्टडीजः हाल ही में एक अध्ययन के नतीजे में कहा गया है कि घरेलू काम-काज का फायदा जिम जाने या रोजाना वर्कआउट जितना ही मिलता है। पोछा लगाने, घर साफ करने, बागवानी करने और बाजार से साग-सब्जी या घरेलू सामान लाने से भी काफी कैलोरी बर्न होती है, क्योंकि इन कामों में फिजिकल मूवमेंट्स भी काफी होती हैं। आप वर्किंग वूमेन हों या होममेकर, अगर वर्कआउट के लिए समय नहीं निकाल पातीं, तो अपनी दिनचर्या में से वो पल या काम ढूंढ़ लें, जिससे आप फिजिकल मूवमेंट्स में इंवॉल्व रह सकती हैं। आपको किसी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम है, तो डॉक्टर से कंसल्ट कर वर्कआउट कर सकती हैं।

ये भी हैं तरीकेः एक्सरसाइज का टाइम नहीं मिलता तो फिजिकल एक्टिविटी के लिए घर से ऑफिस जाते समय बस से एक स्टॉपेज पहले उतर कर पैदल जा सकती हैं। इसी प्रकार आते समय भी घर से एक स्टॉपेज पहले उतर सकती हैं। चौथी मंजिल पर स्थित ऑफिस और तीसरी मंजिल पर मौजूद फ्लैट में जाने के लिए लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों को यूज कर सकती हैं। इसी प्रकार बागवानी करने से भी तन और मन दोनों फिट रहते हैं। बागवानी के लिए काफी चलना-फिरना पड़ता है, हाथों की मूवमेंट्स करनी पड़ती है। इससे भी एक्सरसाइज होती है।

इस बात का रखें ध्यानः अगर किसी को फ्रोजन शोल्डर या टेनिस एल्बो की परेशानी नहीं है, तो उसके लिए स्वीमिंग एक अच्छी एक्सरसाइज हो सकती है। इससे कंधों और भुजाओं की अच्छी एक्सरसाइज हो जाती है। साथ ही कोर मसल्स को मजबूती भी मिलती है। बैठकर पोंछा लगाना भी एक अच्छी एक्सरसाइज है, जिन्हें घुटनों में तकलीफ हो उन्हें खड़े-खड़े पोंछा लगाना चाहिए।

(फिटनेस ट्रेनर चिन्मय राय से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

तोबड़ा में लगाए 10 छायादार व फलदार पौधे

मंडी अटेली। अटेली मण्डी अंडरपास संघर्ष समिति संयोजक एवं बिजली उपभोक्ता मंच अटेली के ब्लाक प्रधान डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब ने तोबड़ा में अपने आवास परिसर में व पीडब्ल्यूडी सड़क किनारे और फ्लाईओवर के नीचे पिछले पांच वर्षों में लगाए गए 60 छायादार एवं फलदार पेड़ पौधे जो अब गहरी छाया व फल देने लगे है। आम जनजनता को समर्पित कर पर्यावरण के सजग प्रहरी के रूप में अपने सामाजिक सरोकार को निभाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं। वह पौधे राहगीरों को ठंडी छांव व हवाएं देने लगे हैं। वहीं पैदल आते जाते राहगीर इन पेड़ों की छांव में सुकून महसूस कर रहे है।

खटोटी कलां में किया पौधरोपण

नारनौल। बहुउद्देश्य प्राथमिक कृषि सहकारी समिति दी खटोटी कलां में सोमवार को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर समिति के क्लर्क सुरेन्द्र और सेल्समैन सुनीता ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को पौधारोपण करना चाहिए। यह न केवल पर्यावरण को स्वच्छ बनाता है, बल्कि हमें स्वस्थ जीवन भी प्रदान करता है। समिति की ओर से आयोजित इस पौधारोपण कार्यक्रम में कई लोगों ने भाग लिया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नारनौल। सड़क सुरक्षा नियम सभी के सुरक्षित आवागमन के लिए महत्वपूर्ण हैं। सड़क पर पैदल चलने वालों और वाहन चालकों दोनों को नियमों का पालन करना चाहिए। यह बात जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने सोमवार को भारती पब्लिक स्कूल में आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। इस अवसर पर सीजेएम नीलम कुमारी ने सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सड़क पर चलते समय यातायात संकेतों का पालन करें।

कर्मपाल बने विधायक के मीडिया सलाहकार

महेंद्रगढ़। गांव सीगड़ा निवासी कर्मपाल यादव को विधायक कंवर सिंह यादव ने अपना मीडिया सलाहकार नियुक्त किया है। विधायक ने उन पर विश्वास जताते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, ताकि वे जनसंपर्क और मीडिया समन्वय को और अधिक सशक्त बना सकें। इस मौके पर विधायक पुत्र राहुल यादव, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष पवन खैरवाल, नीरज बेरी, इंद्रपाल यादव, डॉ. महेश, ब्लॉक समिति वाईस चैयरमैन प्रतिनिधि रणधीर सिंह, ललित मालड़ा आदि मौजूद थे।

आम नागरिकों को ट्रेनों के माध्यमों से मानव तस्करी के बारे में बताया

रेलवे स्टेशन पर लोगों को बाल तस्करी रोकथाम के लिए किया जागरूक

बच्चों को दुकानों, घरों, औद्योगिक व अन्य इकाइयों में लगा दिया जाता है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। रेलवे स्टेशन पर बाल तस्करी रोकथाम के लिए जागरूक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जिला बाल संरक्षण इकाई व सेवा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 30 जुलाई को होने वाले विश्व मानव दुर्व्यापार दिवस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में 15 से 30 जुलाई तक जिला में चलाए जा रहे बाल तस्करी रोकथाम विशेष अभियान के तहत सोमवार को रेलवे स्टेशन पर एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य गणेश कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत कर लोगों को जागरूक किया। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य गणेश कुमार ने आमजनों रेलवे कर्मचारियों व अन्य आसपास के लोगों को बाल तस्करी की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में रेलवे स्टेशन, रेलवे पुलिस फोर्स, एंटी हयूमैन ट्रैफिकिंग यूनिट के प्रतिनिधियों ने बारी बारी से बाल तस्करी की आमजन को जानकारियां प्रदान की। उपनिरीक्षण व इंचार्ज रेलवे पुलिस फोंस सेवा संस्था के इन्चार्ज ने आम नागरिकों को ट्रेनों के माध्यमों से मानव तस्करी के बारे में बताया। जिला बाल संरक्षण अधिकारी संदीप कुमार ने तस्करी से सम्बन्धित विशेष कानूनी व उनके तहत दोषियों की सजाओं के बारे में जानकारी दी।

सेवा संस्था के कोर्डिनेटर सुभाष ने बातया कि किस प्रकार से तस्कर दूसरे प्रदेशों से बच्चों को लाकर हमारे जिले में उनकी सप्लाई करते हैं।

जहां पर बच्चों को दुकानों, घरों, औद्योगिक व अन्य इकाइयों में लगा दिया जाता है और बच्चों का शौषण होना शुरू हो जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि हमारी संस्था बच्चों को तस्करी से मुक्त करवा, उनके पुनर्वासन पर कार्य कर रही है। जिसमें प्रशासन का डीसीपीयू इकाई, जीआरपी थाना, एएचटीयू व रेलवे पुलिस फोर्स भरपूर सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

ज्यादातर बच्चों को ट्रेनों के माध्यम से पहुंचाया जाता है शहरों में

उन्होंने बताया कि ज्यादातर बच्चे ट्रेनों के माध्यमों से शहरों में पहुंचाए जाते हैं, इसलिए तस्करी में फसें बच्चों को तस्करी से मुक्त करवाने का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने आमजन को संदेश देते हुए बताया कि इस प्रकार से कोई अगर आपको कोई बच्चा संदेह में दिखाई देता है, तो तुरंत प्रभाव से चाइल्ड हैल्पलाइन नम्बर 1098 पर कॉल करें, ताकि बच्चे को तस्करों के चंगुलों से बचाया जा सकें। इस मौके पर बाल कल्याण समिति के सदस्य ममता शर्मा, कुमुदनी श्रीवास्तव के अलावा सेवा संस्था के प्रतिनिधि मोहित, नीलम, जिला बाल संरक्षण के कार्यालय से सन्तोष व गरिमा के अलावा यात्री मौजूद थे।

नारनौल। आरपीएस स्कूल में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस स्कूल में छात्रों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आरपीएस स्कूल में सोमवार को आईआईटी व नीट क्वालिफायर छात्रों के लिए एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव थी। अध्यक्षता प्राचार्य बाबूलाल यादव ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. पवित्रा राव ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों व शिक्षकों का भी सम्मान किया गया। संस्था की ओर से श्रीमती हस्ती देवी जनकल्याण समिति के बैनर तले सभी अभिभावकों व शिक्षकों को पौधे भेंट स्वरूप दिए गए। कार्यक्रम में चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी। जेइइ एडवांस क्वालिफायर सुमित पहल ने अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपने शिक्षकों व विद्यालय प्रबंधन को देते हुए कहा कि उन्होंने हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन किया। जेईई एडवांस क्वालिफायर दिवित्य गर्ग ने कहा कि आरपीएस सिर्फ एक स्कूल नहीं, बल्कि सपनों को सच करने वाला परिवार है। नीट क्वालिफायर अक्ष यादव ने कहा कि तैयारी का सफर आसान नहीं था, लेकिन शिक्षकों का समर्पण और स्कूल प्रबंधन की व्यवस्था ने कभी कमजोर महसूस नहीं होने दिया। आरपीएस ग्रुप सीईओ डॉ. मनीष राव ने छात्रों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की। स्कूल प्राचार्य बाबूलाल यादव ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते स्कूल स्टॉफ सदस्य।

गांव सुरजनवास स्थित बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में कक्षा दूसरी से पांचवी तक के विद्यार्थियों के लिए कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस रचनात्मक प्रतियोगिता में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कल्पनाओं को रंगों और शब्दों में ढालते हुए अद्भुत कलाकृतियां प्रस्तुत कीं। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, कला कौशल और अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करना था। बच्चों ने विभिन्न विषयों पर आकर्षक कार्ड तैयार किए। जिनमें माता-पिता के प्रति कृतज्ञता, शिक्षक दिवस, स्वतंत्रता दिवस, पर्यावरण संरक्षण, मित्रता दिवस, राष्ट्रीय एकता, बर्थडे विशेज और धन्यवाद कार्ड प्रमुख रहे। हर कार्ड में बच्चों ने रंग-बिरंगे चार्ट, ग्लिटर पेपर, स्केच पेन, स्टिकर्स और रंगीन कागजों का सुंदर प्रयोग किया। बच्चों ने प्रकृति की सुंदरता, देशभक्ति, मित्रता और संस्कारों को अपने कार्ड्स में बारीकी से उकेरा। कई बच्चों ने कविताएं और प्रेरक पंक्तियाँ भी लिखीं जो उनके सृजन में भावनात्मक गहराई जोड़ती थी। विद्यालय के प्राचार्य रामवीर यादव ने बच्चों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों के अंदर छिपी रचनात्मकता को उजागर करने का एक सशक्त माध्यम हैं।

मेहंदीपुर के लिए रवाना हुई निशान यात्रा

नारनौल। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीराम मेहंदीपुर बालाजी सेवा संघ की पैदल 30वीं निशान यात्रा मोटा महादेव मंदिर से रवाना हुई। इस पदयात्रा में श्रीराम मेहंदीपुर बालाजी सेवा संघ व सहयोगी संस्था श्रीराम हनुमान गुणगान प्रचार मंडल के सदस्यों ने भाग लिया। मेहंदीपुर धाम के लिए पदयात्रा संस्था के संरक्षक सांवरमल गोयल के सानिध्य में रवाना हुई। प्रसिद्ध मोटा महादेव मंदिर में सांवरमल गोयल सहित सभी भक्तों को आचार्य क्रांति निर्मल ने निशान पूजन करवाया। इसके बाद सैकड़ों भक्तों ने अपने हाथों में बालाजी महाराज का निशान उठाकर मेहंदीपुर धाम के लिए प्रस्थान किया। निशान यात्रा मोटा महादेव मंदिर से शुरू होकर बहरोड रोड होते हुए कड़ियां वाले हनुमान मंदिर पहुंची। जहां मंदिर में हनुमान जी के दर्शन करने के बाद यात्रा मेहंदीपुर के लिए रवाना हुई।

आकाश अकेडमी में सत्संग आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सत्संग में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

देवनगर रोड स्थित आकाश एकेडमी प्रांगण में ऋषिकेश से पधारे आनंद महाराज ने बच्चों में नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए सत्संग का आयोजन किया गया। आनंद महाराज ने कहा कि हमें माता-पिता व गुरु तथा ईश्वर का हमेशा सम्मान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि माता हमें जन्म देती है। पिता अपनी मेहनत के बल पर हमारा पालन पोषण करता है। गुरु हमें अच्छी शिक्षा देते हैं। इसलिए इनका ऋण हम कभी नहीं उतार सकते। बाल्यावस्था से हमें कुछ आदर्शों का आदी होना चाहिए। अच्छी आदत जीवन का आधार बनती है। हमें सत्य ,अहिंसा व सामाजिक दायित्वौ को अच्छी तरह ग्रहण करना चाहिए । जीवन में हमें माता-पिता, गुरु और ईश्वर का सम्मान करना चाहिए। माता जन्म देती हैं, पिता अपने परिश्रम से हमारा पालन-पोषण करते हैं और गुरु जीवन के लिए मार्गदर्शन देते हैं। उन्होंने कहा कि इन तीनों का ऋण कोई नहीं चुका सकता। उन्होंने बच्चों को बाल्यावस्था से ही सत्य, अहिंसा और सामाजिक दायित्वों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि अच्छी आदतें ही अच्छे जीवन का आधार होती हैं और संस्कार युक्त शिक्षा ही व्यक्ति को महान बनाती है। आकाश एकेडमी प्रबंधन ने आनंद महाराज का आभार जताते हुए कहा कि बच्चों में नैतिक मूल्यों के बीजारोपण के लिए ऐसे आयोजनों की निरंतर आवश्यकता है। इस अवसर पर बालमुकुंद गुप्ता, देवेंद्र बैरावास, विकास रामलवास, मनीष राणा, कंचन यादव, दीपिका यादव, शारदा आदि उपस्थित थे।

नारनौल। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

विद्या भारती पब्लिक स्कूल में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

नारनौल। विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के किड्स ब्लॉक में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव व वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने किया। पिकाचू हाउस की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में लक्षिता, पल्लवी, जिया ब्लू हाउस, अक्षय, जयेश, दक्ष रेड हाउस, विहान, आयुष, आव्या येलो हाउस तथा चेतना, नव्या, खुशांश ग्रीन हाउस ने भाग लिया। प्रतियोगिता में ब्लू हाउस के लक्षिता पुत्री सतबीर, पल्लवी पुत्री कुलदीप व जिया पुत्री रणसिंह मान विजेता रहे। संस्था की निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव ने विजेता बच्चों को उपहार देकर पुरस्कृत किया। विद्यालय के किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी ने बताया कि विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व अन्य गतिविधियों का भी आयोजन समय-समय पर होता रहता है। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, प्राचार्य विनोद यादव, उपप्राचार्य सपना मल्होत्रा आदि मौजूद थे।

नेल्टास ओलंपियाड में यदुवंशी स्कूल के छात्रों ने हासिल की सफलता

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्कूल स्टॉफ सदस्य।

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल के विद्यार्थियों ने नेल्टास ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस ओलंपियाड में कक्षा दूसरी से आठवीं तक के छात्रों ने भाग लिया, जिसमें से कई छात्रों ने जिला एवं राज्य स्तर पर क्वालीफाई कर सराहनीय रैंक प्राप्त की। विद्यालय के शिक्षकों की मेहनत, विद्यार्थियों की लगन और अभिभावकों के सहयोग से यह सफलता संभव हो पाई है। इस अवसर पर विजेता छात्रों को मैडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। विजेता छात्रों में मयंक, सक्षम, वंशिका, नक्ष, सचित, रियांश, जॉरूल, राघवी, कुनाल, हर्षित, हिमेश, हर्षित, परमजीत आदि रहे। विद्यालय प्राचार्य पवन कुमार ने सभी विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो कोई भी मंजिल दूर नहीं। ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि नेल्टास ओलंपियाड में आपकी उपलब्धि पूरे विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्र सिंह यादव आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

खंड स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में मॉडर्न स्कूल रहा प्रथम

महेंद्रगढ़। स्थानीय राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमि विद्यालय में वन विभाग की ओर से आयोजित खंडस्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता में मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त कर अपने स्कूल का नाम रोशन किया। अध्यापक विनोद कुमार ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विभाग की ओर से जूनियर व सीनियर विंग में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें कक्षा नौवीं से बारहवीं सीनियर वर्ग के बीच आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में स्कूल के छात्र साहिल ने प्रथम तथा रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खंड स्तर पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बहुत ही सराहनीय प्रदर्शन किया है। इस प्रकार की प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थी अपनी मनोभावना को पेंटिंग के माध्यम से उजागर कर सकता है। इस मौके पर विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों ने विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आरपीएस ग्रुप आफ स्कूल्स के अकादमिक प्रमुखों की बैठक

महेंद्रगढ़। बैठक में भाग लेते स्कूल स्टॉफ सदस्य।

कनीना। आरपीएस ग्रुप आफ स्कूल्स के मिडिल विंग के अकादमिक प्रमुखों की एक महत्वपूर्ण बैठक आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल कनीना में रविवार को आयोजित की गई। इस बैठक में शिक्षा में उत्पादक बदलाव लाने, शिक्षक की बदलती भूमिका, सुगम शैक्षणिक वातावरण, बाल मनोविज्ञान का महत्व, सीखने के लिए करने की अवधारणा, पाठ्यक्रम डिजाइन, शिक्षा में टेक्नोलॉजी का समावेश और आगे की चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्यातिथि अध्यक्ष डॉ. पवित्रा राव भी उपस्थित थी। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने स्कूल शिक्षा के अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए बताया कि इसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने शिक्षा में नवाचार और छात्रों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। प्रिंसिपल ज्योति भट्ट ने आरपीएस ग्रुप आफ स्कूल्स के सभी अकादमिक प्रमुखों का व आरपीएस स्कूल महेंद्रगढ़ के प्रिंसिपल डॉ. किशोर तिवारी का उनकी बेहतरीन प्लानिंग के लिए आभार व्यक्त किया।

राजकीय स्कूल जौरासी में युवा संसद का आयोजन

छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया और संसदीय कार्यप्रणाली से परिचित कराना युवा संसद का उद्देश्य: डॉ. संजय शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। युवा संसद कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एससीईआरटी गुरुग्राम के निर्देशन व डाईट महेंद्रगढ़ के तत्वावधान में जिले में आरम्भ हुई युवा संसद प्रतियोगिताओं की कड़ी में सोमवार को प्रथम दिन राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जौरासी में युवा संसद का आयोजन किया गया। पर्यवेक्षक डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि खंड में आज जौरासी स्कूल से युवा संसद प्रतियोगिता के आयोजन की शुरुआत हुई। जिसका शुभारम्भ प्राचार्य सुमेर सिंह ने किया। पर्यवेक्षक के रूप में राजनीति विज्ञान के प्रवक्ता डॉ. संजय शर्मा, डाईट प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार बोहरा व स्टेट अवार्डी प्रवक्ता डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज थे। संयोजन विद्यालय की राजनीति विज्ञान प्रवक्ता सरला कुमारी ने किया। विंग हैड डॉ. नरेश गुप्ता के निर्देशन में जिलेभर में यूथ पार्लियामेंट का कार्यक्रम पूरे सप्ताह चलेगा। पर्यवेक्षक डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि युवा संसद का उद्देश्य छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया और संसदीय कार्यप्रणाली से परिचित कराना है। युवा संसद के आयोजन से बच्चे लोकतांत्रिक प्रणाली को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और संसदीय प्रणाली का भी बारीकी से अवलोकन भी कर सकते हैं।

युवा संसद में बच्चों ने शानदार अभिनय किया

युवा संसद में बच्चों ने प्रधान मंत्री, विपक्ष के नेता, केंद्रीय मंत्री के रूप में शानदार अभिनय किया। वंश, अंजली के अलावा बच्चों ने पक्ष और विपक्ष के सांसदों भूमिकाएं निभाई। अंत में पर्यवेक्षक संजय शर्मा व अरुण कुमार ने युवा संसद विषय पर परिचर्चा भी आयोजित की। हनुमान शर्मा ने ग्राम शिक्षा समिति की ओर से निर्णायक मंडल का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर राजनीति विज्ञान की प्रवक्ता सरला, डॉ. मनीषा, प्रवक्ता पुष्पा कुमारी, सुरेश कुमार, हनुमान शर्मा, मंजू देवी, सुमन, दिनेश कुमार प्रवक्ता, अमित यादव संस्कृत अध्यापक, महेंद्र सिंह, सरिता आदि मौजूद थे।

पर्यवेक्षक जितेन्द्र कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को लोकतंत्र के महत्व व उसमें जनप्रतिनिधियों की भूमिका के विषय में बताने में मदद मिलती है। युवा संसद में महिला सशक्तिकरण अधिनियम पर बहस की गई। इसके अलावा छात्र नेताओं ने सेना में महिलाओं के करियर, आयुष्मान भारत, पराली के निष्पादन, प्रदूषण, महिला सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर गहन चर्चा की।

हैप्पी स्कूल के तीन छात्रों का कॉमर्स में चयन

सचिन कुमार

भाव्या अग्रवाल अग्रवाल

सिद्धि गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा सिद्धि गोयल, भव्य अग्रवाल और सचिन कुमार का श्रीराम कॉलेज आफ कॉमर्स (रफउउ), दिल्ली विश्वविद्यालय में चयनित होकर स्कूल, अभिभावकों और जिले का नाम रोशन किया है। कॉमर्स के अध्यापक पवन कुमार और संतोष यादव ने बताया कि एक स्कूल की एक छत की एक कक्षा में तीन विद्यार्थियों का एक साथ इतने बड़े विश्वविद्यालय में दाखिला होना उत्कृष्टता का प्रमाण है। स्कूल प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और मैनेजर चंचल अग्रवाल ने छात्रों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह हमारे स्कूल के लिए गर्व का क्षण है। सिद्धि, भव्य और सचिन ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास ईमानदार हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं।

व्यायामशाला में किया पौधरोपण

नारनौल। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के जिला प्रधान कामरेड बलबीर सिंह यादव ने अपने 76वें जन्म उत्सव पर चंदपुरा व्यायामशाला में योग साधकों के साथ बरगद, पीपल और नीम का पौधारोपण किया। योगशाला के प्रभारी अमित रोहिल्ला ने बताया कि योगशाला में प्रतिदिन योग की कक्षाएं सुबह चलती हैं, जिसमें बहुत से योग साधक योग से अपने स्वास्थ्य को ठीक करते हैं। उन्होंने अपने जीवन में योग को अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

सार्वजनिक सूचना

मै विरेंद्र सिंह पुत्र बाबुलाल वासी गांव भुंगारका तहसील नांगल चौधरी जिला महेंद्रगढ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरी पुत्री मनीषा का पोस्ट ऑफिस में खाता नं. सीआईएफ 874470309 है जिसमें उसका नाम आशु पुत्री बिरेंद्र व जन्म तिथि 20.05.2006 दर्ज है जो कि गलत है जबकि उसका सही नाम मनीषा व जन्म तिथि 01.05.2005 है। नियमानुसार सही करें।

खबर संक्षेप

ढोसी पहाड़ी पर लगाया योग शिविर

नारनौल। योगाचार्य विश्व पाल की ओर से 30 दिवसीय निःशुल्क योग शिविर ढोसी की पहाड़ी पर सुबह 5:40 से 6:30 तक लगाया जा रहा है। योगाचार्य ने बताया कि शिविर के 12वें दिन ढोसी धाम पर प्राकृतिक सौंदर्य के बीच शिविर की शुरूआत ओम व गायत्री मंत्रों के साथ की। जिससे मन व दिमाग में शांति बनी रहती है। इसके बाद प्राणायाम की शुरूआत भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम विलोम के साथ होती है। प्राणायाम के बाद गोमुखासन, चक्रासन, शीर्षासन, वज्रासन, त्रिकोणासन, हलासन, चंद्रासन करवाए जाते हैं।

हकेवि में अतिथि संकाय पदों के लिए होने वाले साक्षात्कार स्थगित

महेंद्रगढ़। गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में अतिथि संकाय के पदों हेतु 22 जुलाई से आयोजित होने वाले वॉक-इन-इंटरव्यू प्रशासनिक कारणों से स्थगित कर दिए गए हैं। वॉक-इन-इंटरवयू की संशोधित तिथि शीघ्र की विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जाएगी। जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि हकेंवि में विभिन्न विभागों में अतिथि संकाय के पदों पर भर्ती हेतु 22 से 25 जुलाई तक वॉक-इन-इंटरव्यू अधिसूचित किए गए थे, लेकिन प्रशासनिक कारणों के कारण ये साक्षात्कार स्थगित कर दिए गए हैं।

एसडीएम व सीटीएम का तबादला, दी विदाई

नारनौल। लघु सचिवालय के मीटिंग हॉल में सोमवार को नांगल चौधरी के एसडीएम व जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार, नगराधीश मंजीत कुमार के स्थानांतरण के अवसर पर एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने अधिकारियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने दोनों अधिकारियों के महेंद्रगढ़ जिले के विकास में दिए गए उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन दोनों अधिकारियों ने अपनी कड़ी मेहनत से जिले में विकास कार्य किए।

नांगल चौधरी के 5 गांव में बनेंगे वॉटर वर्क्स, शीघ्र होंगे 352 करोड़ के टेंडर जारी

खास बातें

- अगले 20 साल की पेयजल आवश्यकताओं के लिए होंगे पर्याप्त : डॉ अभय यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नांगल चौधरी हलके की पेयजल की बढ़ती मांग को देखते हुए प्रदेश सरकार ने एक महत्वाकांक्षी पेयजल आपूर्ति योजना बनाई है। 352 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली यह योजना मुख्य रूप से नहरी पानी पर आधारित होगी। इस योजना के अंतर्गत पांच अलग अलग जगह पर विशाल वॉटर वर्क्स का निर्माण किया जाएगा, जिसमें सिरोही बहाली, मोहनपुर, आसरावास, नांगल दर्गु व मूसनोता गांव शामिल है।

अगले 20 साल की आबादी को ध्यान में रखकर बनाई योजना

पूर्व मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव।

इस योजना को भविष्योंन्मुखी बनाया गया है। अतः अगले 20 साल की आबादी को ध्यान में रखकर यह योजना तैयार की गई है। इस योजना के पूरी होने उपरांत हर गांव में आवश्यकतानुसार पर्याप्त पेयजल की सप्लाई की जा सकेगी। विशेषकर बायल, गोलवा, ढाणी रावता व रोपड़ सराय आदि ऊंचाई पर स्थित गांवों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए एक वॉटर वर्कस मूसनौता और ढाणी रावता के बीच में ऊंचाई वाले क्षेत्र में बनाया जा रहा है, जो ऊंचाई पर स्थित गांवों की सप्लाई के लिए भी पर्याप्त रहेगा। इस प्रोजेक्ट के पूरे होने के उपरांत अधिकांश नांगल चौधरी हलके की सप्लाई लहरोदा जल भंडार से हटा ली जाएगी। अंतः लहरोदा जल भंडार के अंतर्गत शेष बचे क्षेत्र में पेयजल की पर्याप्त सप्लाई सुगमता से सुनिश्चित हो पाएगी। यादव ने बताया कि इस योजना के टेंडर अगले महीने तक होने की संभावना है तथा टेंडर होने उपरांत इसकी प्रक्रिया लगातार आगे बढ़ती रहेगी। पूर्ण रूप से नहरी पानी आधारित यह योजना संपूर्ण नांगल चौधरी हलके की पेयजल आवश्यकताओं को अगले कई वर्षों तक समस्या रहित रखेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री व जन स्वास्थ्य मंत्री दोनों का धन्यवाद व्यक्त किया।

पांचों जल भंडारों में नहरी पानी पहुंचाया जाएगा

पूर्व सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने बताया कि नांगल चौधरी क्षेत्र में पेयजल की समस्या को देखते हुए नहरी पानी आधारित एक योजना 2014 से पहले बनाई गई थी। जिसके अंतर्गत लहरोदा वॉटर वर्क्स से नांगल चौधरी हलके के गांवों में पेयजल आपूर्ति हो रही है, लेकिन फिर भी नांगल चौधरी क्षेत्र में पर्याप्त पानी की सप्लाई नहीं हो पाई। इसका मूल कारण यह रहा कि लहरोदा जल भंडार से नारनौल शहर सहित नारनौल व नांगल चौधरी दोनों हलकों को सप्लाई दी जाती है। लहरोदा जल भंडार की सीमित भंडारण क्षमता के कारण नांगल चौधरी के सुदूर स्थित गांवों में पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। इसलिए वर्ष 2024 के प्रारंभ में ही यह महत्वाकांक्षी योजना जन स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से तैयार करवाई गई थी। इस योजना के अंतर्गत नहर के कच्चे पानी की सप्लाई नारनौल के पास नहर से बड़ी पाइप लाइन द्वारा लाई जाएगी तथा इन पांचों जल भंडारों में नहरी पानी पहुंचाया जाएगा। तदोपरांत जल संशोधन प्रक्रिया द्वारा उसे साफ करके पेयजल के रूप में समस्त क्षेत्र में सप्लाई किया जाएगा। इस तरह से इस नई व्यवस्था के अनुसार लहरोदा जल भंडार पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी। रास्ते में बार बार बूस्टिंग में आने वाली समस्याओं से भी निदान मिलेगा।

बाघोत, स्याणा व सेहलंग में विकास कार्यों की घोषणा

एनएस 152-डी पर जल्द खुलेगा कट, फाइल भेजी : स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बाघोत के ऐतिहासिक शिव मंदिर में किया जलाभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि ग्रीन कॉरिडोर 152-डी पर बाघोत कट हर हाल में बनेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार ने कट खोलने के लिए फाइल केंद्र को भेजी है। इस कार्य को जल्द से जल्द सिरे चढ़ाया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री सोमवार को अटेली विधानसभा क्षेत्र के गांव बाघोत, स्याणा और सेहलंग जनसभाओं को संबोधित कर रही थी। इस दौरान उन्होंने तीनों गांवों में विकास कार्य करवाने के लिए 10-10 लाख रुपये की घोषणा की।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यहां के लोगों की मांग पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने इस मार्ग को स्टेट हाईवे का दर्जा दिलवाया। यह क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि पहले यह एमडीआर यानी जिला की मुख्य सड़क थी। यहां पर कट लगाने के लिए स्टेट हाईवे होना जरूरी था। अब इस मार्ग को स्टेट हाईवे का दर्जा मिल चुका है। अब आगे की कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार चहुंमुखी विकास को प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य मंत्री के कार्यक्रमों की शुरूआत बाघोत गांव से हुई, जहां उन्होंने प्रसिद्ध शिवधाम मंदिर में जल अर्पण कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर नागरिकों ने उनका भव्य स्वागत किया व लड्डुओं से तोल कर सम्मानित किया।

कनीना। बाघोत के ऐतिहासिक शिव मंदिर में जल अर्पण करती स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव। फोटो: हरिभूमि

यह रहे मौजूद

इस कार्यक्रम में कनीना के एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह, सीएमओ डॉ. अशोक कुमार, पूर्व विधायक सीताराम यादव, कनीना पंचायत समिति चेयरमैन जयप्रकाश, कनीना मंडल अध्यक्ष बीरेंद्र, अटेली मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार, विजय पूर्व चेयरमैन नौताना, बाघोत के सरपंच राजेंद्र, स्याणा के सरपंच वीरपाल, सेहलंग के सरपंच विनीत कुमार, आकाश, अंकित सहित कई गणमान्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सरपंच ने सौंपा मांग पत्र

इस अवसर पर गांव के सरपंच ने मांग पत्र सौंपा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि बाघोत में पंचायत समिति की ओर से 45 लाख रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। स्याणा गांव में भी स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का पुष्प मालाओं से जोरदार स्वागत किया। यहां पर ग्रामीणों ने फलों से तोल कर उनका अभिनंदन किया। सरपंच की ओर से मांग पत्र प्रस्तुत किया गया। मंत्री ने गांव की स्वच्छता व्यवस्था को सशक्त करने के उद्देश्य से पंचायत समिति की ओर से प्रदान की गई ई रिक्शा का रिबन काटकर उद्घाटन किया।

रिहायशी क्षेत्र में शराब ठेके के विरोध में 17 दिनों से धरना प्रदर्शन जारी

- आबकारी अधिकारी को एक शिकायत पत्र भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

कस्बे के धन्नौदा रोड से शराब का ठेका हटाने का मामला अभी शांत नहीं हुआ है और गत 17 दिनों से धरना प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल जारी है। सोमवार को भूख हड़ताल पर 80 वर्षीय किशोरी लाल और 84 वर्षीय रोहतास बैठे। शराब के ठेके को स्थानांतरित करने का मामले में नागरिकों ने आबकारी अधिकारी को एक शिकायत पत्र भी भेजा है। जानकारी के अनुसार बस स्टैंड निवासी पवन कुमार, भारत, अनिल कुमार, भुपेंद्र कुमार, संजय, अमित कुमार, विजय कुमार, रामानंद, संदीप आदि ने बताया कि सरकार की हिदायतों के अनुसार बस स्टैंड से शराब का ठेका लगभग 150 मीटर की दूरी पर होना चाहिए, लेकिन यह पर स्थापित ठेका मात्र 60 मीटर की दूरी पर खोल दिया गया है, जो सरकार के आदेशों की सीधी उल्लंघना है। वहीं विभाग से ठेके को अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की जा रही है। वहीं दूसरी ओर कस्बे के धन्नौदा रोड पर ठेके को हटाने की मांग को लेकर धरने पर बैठे लोग अब भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं। धरना सोमवार को 17वें दिन में पहुंच गया है, जिसमें महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने भाग लिया।

मंडी अटेली। शराब के ठेके विरोध में भूख हड़ताल पर बैठे हुए। फोटो: हरिभूमि

प्रधानमंत्री की नीतियों व केंद्रीय मंत्री की मेहनत से भाजपा का लहराया परचम

- मोहित चौधरी ने गांवों में जनसंपर्क कर ग्रामीणों का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद चौ. धर्मबीर सिंह के पुत्र मोहित चौधरी ने नोलाजा, नवलपुर, दताल, नांगल नूनिया, अमरपुरा, नांगल सोडा, थनवास, बूढ़वाल, रायमलिकपुर, गोठड़ी, आसरावास, नायन गांव में जनसंपर्क करके ग्रामीणों का आभार जताया। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों तथा केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह की कड़ी मेहनत से भाजपा ने विजयी परचम लहराया है। सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार सभी हलकों में समान विकास कार्य करवा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा में नीति और नीयत को प्राथमिकता देने की परंपरा बनी हुई है। पार्टी का फैसला प्रत्येक कार्यकर्ता और पदाधिकारियों को मान्य होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 500 साल पुराने राम मंदिर विवाद को खत्म कराया। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण होने से समाज को आदर्शवादी और नैतिकता का संदेश मिलेगा। कश्मीर में अनुच्छेद 370 खत्म होने से एक देश एक तिरंगा मिशन पूरा हो पाया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने दूरदर्शी सोच का परिचय देते हुए चीन व पाकिस्तान बार्डरों पर सड़कों का निर्माण करवा दिया।

नांगल चौधरी। बूढ़वाल गांव में ग्रामीणों से मुलाकात करते सांसद धर्मबीर पुत्र मोहित चौधरी। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। हरिद्वार से 15 फुट ऊंची कांवड़ लेकर आया खोड़मा का युवक सूरज।

15 फुट ऊंची कांवड़ बनी आकर्षक का केंद्र

नारनौल। गांव खोड़मा का एक युवक 15 फुट ऊंची कांवड़ लेकर हरिद्वार से आया है। अपनी ऊंचाई के कारण यह कांवड़ सबके लिए आकर्षक का केंद्र बनी हुई है। इस कांवड़ को 23 जुलाई शिवरात्रि के दिन चढ़ाया जाएगा। वहीं कांवड़ देखने के लिए लोग कांवड़िए से मिलने के लिए आ रहे हैं। इसका वजन भी 40 किलो के करीब है। कांवड़ के शिखर पर तिरंगा झंडा लगा हुआ है। कांवड़ लाने का सिलसिला शुरू हो गया है। शिवभक्त कांवड़ लेकर अपने गांव व मोहल्ले में पहुंचने लग गए हैं। ऐसे ही कांवड़ लेने वालों में कुछ निराले कांवड़िए भी हैं, जो अलग प्रकार की कांवड़ लाकर सबको आकर्षित करते हैं। कोई डाक कांवड़ लाकर रिकार्ड बनाने में लगा है, तो कोई सबसे बड़ी कांवड़ लाने में। गांव खोड़मा निवासी सूरज किराड़ इस बार करीब 15 फुट ऊंची कांवड़ लेकर आया है। इस कांवड़ को लेकर वह अपने गांव पहुंच गया। इस कांवड़ को जिले की सबसे ऊंची कांवड़ माना जा रहा है, जो 23 जुलाई को गांव खोड़मा के शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व पर चढ़ाई जाएगी। सूरज किराड़ इससे पहले भी चार बार कांवड़ ला चुका है और हर बार इसी तरह की ऊंची कांवड़ लेकर आता है।

मांगों को लेकर मीड डे मिल वर्कर ने किया प्रदर्शन

- मिडे डे मिल कुक यूनियन की बैठक प्रधान ममता की अध्यक्षता मे आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मिडे डे मिल कुक यूनियन की बैठक प्रधान ममता की अध्यक्षता मे लघु सचिवालय में हुई। जिसका संचालन गिता ने किया। इस अवसर पर प्रधान ममता ने कहा कि सरकारी स्कूलों में 20 साल से अधिक समय मीड डे मिल वर्कर खाना बनाकर बच्चों को खिला रही है, लेकिन खाना बनाने वाली कुक को महगाई के हिसाब से वेतन नहीं दिया जा रहा है। इसलिए जीवन कठिनाई में गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार अपना कर्मचारी भी नहीं मान रही है, इसलिए समय की जरूरत है कि मजबूत आन्दोलन किया जाए। कृष्ण कुमार तोबड़ा ने कहा कि सरकार कमजोर वर्ग का शोषण कर रही है, मामुली वेतन दिया जा रहा है, वो भी समय पर नहीं दिया जाता है। कामरेड सुभाष चंद्र एडवोकेट ने कहा कि भाजपा सरकार महिला सशक्तिकरण का नारा देती है, लेकिन महिलाओं का कम वेतन देकर शोषण कर रही है, इसलिए सामाजिक सुरक्षा लागू की जाए, वेतन महंगाई के हिसाब से दिया जाए। बैठक के बाद प्रर्दशन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम एक मांग पत्र एसडीएम रमित कुमार को सौंपा। जिसमें मिड डे मिल कुक को सरकारी कर्मचारी घोषित किया जाए, तब तक न्यूनतम वेतन 28000 दिया जाए। इस मौके पर सन्तोष, कमलेश, मीरा, सुनिता, खजानी, भतेरी, सुन्दर, ममता आदि मौजूद थी।

नारनौल। प्रदर्शन करती मीड डे मिल वर्कर।

जैलाफ–चिंडालिया रास्ते को पक्का करने की मांग

नारनौल। गांव जैलाफ में बैठक करते ग्रामीण।

नारनौल। जैलाफ चिंडालिया रास्ता को पक्का कराने की मांग को लेकर सोमवार को हनुमान की अध्यक्षता में बैठक कर बरसात के मौसम में ग्रामीणों व चिंडालिया से स्कूली बच्चों को आने जाने में हो रही भारी परेशानी से निजात दिलाने की मांग की गई। बैठक में गांव के सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने बताया कि जैलाफ चिंडालिया रास्ता को बनवाने के लिए ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों व प्रशासन से कई बार मांग की है, लेकिन दो गांवों के साथ साथ राजस्थान की सीमावर्ती गांवों को भी जोड़ने वाला महत्वपूर्ण व उपयोगी रास्ता है, जो अभी भी कच्चा है। इस रास्ते से गांव चिंडालिया के स्कूली बच्चे जैलाफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आते हैं। ग्रीष्मकालीन अवकाश के पश्चात अब स्कूल लगने लगे हैं। बारिश के मौसम में इस कच्चे रास्ते से स्कूली बच्चों का आना जाना दूभर हो गया है। दोपहिया वाहन से भी लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। गांव जैलाफ की सीम खेत भी इस रास्ते पर लगते हैं।

मंडी अटेली। अटेली तहसील परिसर के अधिवक्ता उपायुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

अटेली तहसील में अधिवक्ताओं की हड़ताल समाप्त

मंडी अटेली। चार दिन से चली आ रही अटेली तहसील परिसर में अधिवक्ताओं की हड़ताल सोमवार को समाप्त हो गई, जिसको लेकर अधिवक्ता नरेंद्र कुमार सुमित गौड़, दिनेश कुमार, उमेश कुमार, ब्रह्मप्रकाश, महेश कुमार, विनोद कुमार, विकास यादव, दीपक यादव, भगवान सिंह, रामकिशन, विजय कौशिक, नरेंद्र यादव, संदीप कुमार, कुलदीप शर्मा, जगदीश नानावत आदि वक्ताओं का कहना है कि पिछले दो दिनों से चली आ रही हड़ताल को लेकर सोमवार अधिवक्ता उपायुक्त महोदय के समक्ष पेश हुए तथा उन्हें अपना ज्ञापन दिया। वहीं उपायुक्त ने आश्वासन दिया कि वह अपने कार्य में रुचि रखें और उनके साथ किसी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। आज तक जो भी अधिकारियों द्वारा कार्यशैली पर सवाल पूछा जाता रहा है, वह आगे से किसी प्रकार की कोई कोताही नहीं बढ़ने दी जाएगी। किसी प्रकार का कोई अन्य नैतिक कार्य नहीं होगा। इसलिए आज सभी अधिवक्ता आपसी तालमेल को आगे बढ़ते हुए कार्य को सुचारू रूप से चालू करें। तहसील में सोमवार को दिनभर खरीद फरोख्त की रजिस्ट्रियां, इंतकाल व लोन की रजिस्ट्रेशन आदि सुचारू रूप से चालू रहे।

हैप्पीनेस प्रोग्राम संपन्न, जीवन जीने की कला से रूबरू हुए प्रतिभागी

- प्रतिभागियों को प्राणायाम, योग, ध्यान व सुदर्शन क्रिया सिखाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की ओर से रविवार देर शाम रविदास मार्ग स्थित श्रीनामदेव भवन धर्मशाला में तीन दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम का समापन हो गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को तनावमुक्त जीवन जीने की कला सिखाना व उनके मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को संतुलित करना था। कार्यक्रम में संस्था के प्रशिक्षक आशीष कुमार जयपुर ने प्रतिभागियों को प्राणायाम, योग, ध्यान व सुदर्शन क्रिया करनी सिखाई तथा सकारात्मक व व्यावहारिक सोच का अनुभव छोटे छोटे उद्धरण देकर कराया गया। साथ ही जीवन के मूल्यों जैसे करुणा, संतुलन और उत्साह को दैनिक जीवन में उतारने पर विशेष बल दिया।

कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिन्होंने तीन दिनों में मन की शांति, जीवन में प्रसन्नता लाने की तकनीकों को सीखा। कार्यक्रम के अंतिम दिन अपने अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को अत्यंत लाभकारी और वास्तव में हैप्पी करने वाला बताया। प्रशिक्षक आशीष कुमार ने कहा कि हैप्पीनेस को कही से खरीदा नहीं जा सकता, बल्कि यह एक अभ्यास है, जिसे सही तकनीकों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों सें कम से कम 40 दिन सुदर्शन क्रिया करने का आह्वान किया।

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों से सख्ती से निपटने के दिए निर्देश

बागोत मेले में पहुंच एसपी ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

- पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मचारियों की तैनाती
- श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेरिकेटिंग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

खंड के गांव बागोत स्थित बाघेश्वर धाम में आयोजित कांवड मेले को लेकर एसपी पूजा वशिष्ठ ने निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मेले में आपराधिक गतिविधियों व चेन स्नेचिंग आदि की घटना को अंजाम देने वाले असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा। इसके लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मचारियों की तैनाती की गई है। उनके साथ डीएसपी दिनेश कुमार, डीएसपी सुरेश कुमार, थाना इंचार्ज सज्जन वशिष्ठ व अनिल कमांडो भी थे।

बता दें कि रविवार से मेले का आगाज हो चुका है, जो सावन माह की त्रयोदशी 23 जुलाई तक चलेगा। इस मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। जिसकी सुरक्षा के लिए पुलिस व प्रशासन की ओर से व्यापक प्रबंध किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेरिकेटिंग की गई है। वहीं यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए पुलिस कर्मचारियों की तैनाती की गई है। बागोत के अलावा क्षेत्र के प्राचीन मंदिरों व कांवड़ सेवा शिविरों के लिए भी पुलिस कर्मचारी नजर रख रहे हैं। पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को जरूरी दिशानिर्देश भी दिए। एसपी ने बताया कि शिवरात्रि पर्व पर किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए शिव मंदिर सहित आसपास क्षेत्र में पुलिस की गश्त व निगरानी रहेगी। घटना दुर्घटना की स्थिति में डायल 112 अथवा थाना प्रभारी को सूचना दी जा सकती है। बागोत के प्राचीन शिव मंदिर में शिवरात्रि के उपलक्ष्य में दूरदराज से भारी संख्या में श्रद्धालु प्राकृतिक स्वयंभू शिवलिंग पर जलाभिषेक करने आते हैं। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की ओर से गंगोत्री, ऋषिकेश व हरिद्वार से लाई गई कांवड़ अर्पित की जाती हैं। भीड़ को नियंत्रित करने तथा कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए चप्पे चप्पे पर पुलिस कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

कनीना। बागोत मेले में पुलिस कर्मचारियों को दिशानिर्देश देती एसपी।

बागोत बाघेश्वर धाम में चढ़ाई सैकड़ों कांवड़

कनीना। गांव बागोत स्थित बाघेश्वर धाम मंदिर में सावन माह की एकादशी के दिन सोमवार को श्रद्धालुओं की खासी भीड़ उमड़ी। जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस कर्मचारियों ने मशक्कत करनी पड़ी। कांवड़ मेले के दृष्टिगत सावन के दूसरे सोमवार को एकादशी के मौके पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सैकड़ों की संख्या में कांवड़ चढ़ाई गई।